अनुवाद रूप 2021

EAST-WEST SEED FOUNDATION

KNOWLEDGE TRANSFER

फ़ुसल लगाने की मार्गदर्शिका ।
बैंगन

HINDI

• खेत की जुताई और पुर्वतैयारी।

» सकरा मार्ग सिंचाई और जल निकासी में मदद करते हैं
» जैविक अथवा प्लास्टिक मल्च को मिट्टी में नमी संरक्षित करने एवं खरपतवार नियंत्रण के लिये उपयुक्त किया जा सकता हैं ।
» ।रोपाई के ८-१० दिन बाद ट्रेलिस स्थापित करे
» 17,700 पौधे प्रति हेक्टेयर (किस्म और मौसम के अनुसार बदलाव)

• पौधे तैयार करना।

◆ मीडिया तैयार करना; १० मिनट के लिए गरम करना या कडी धूप मे आधे दिन तक रखना उसके उपरान्त ट्रे मे डालना।

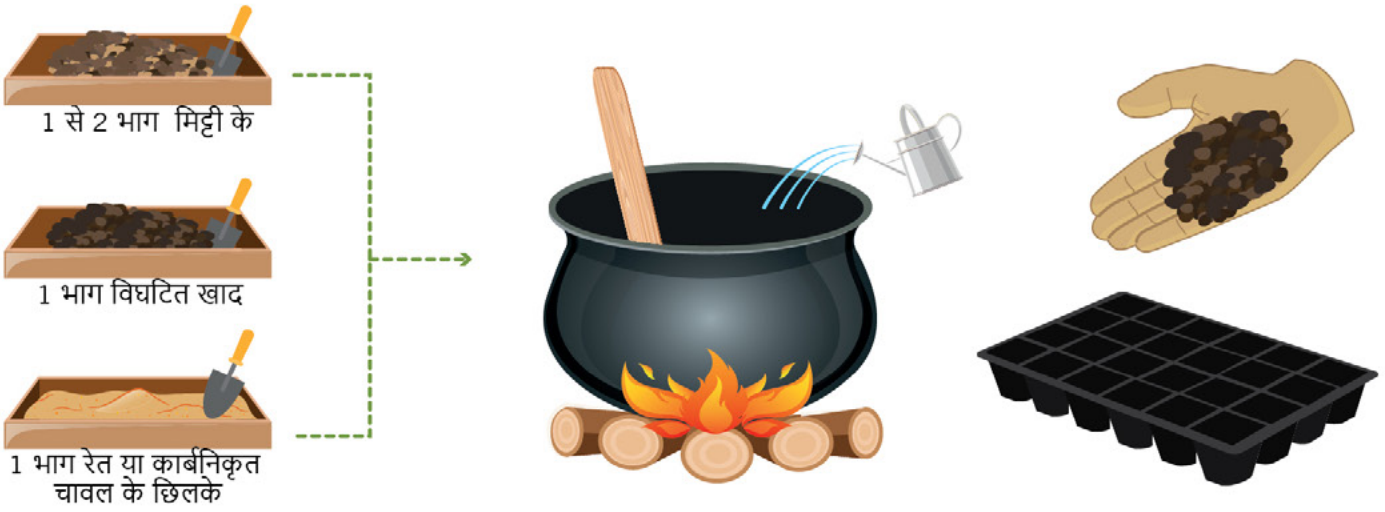

◆ बीज बोना और पौधो की रक्षा करना।

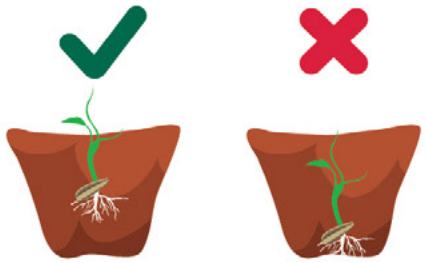

बुवाई की गहराई =2 बीज का आकार

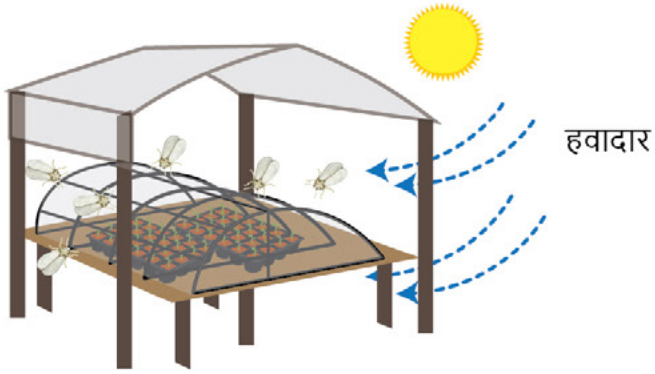

◆ नमी बराबर रखना

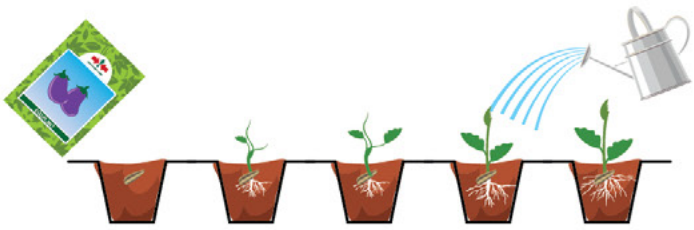

25-28 दिन

पौधों के बाहर निकलने के दिन बाद 10 पौधों को 10 लीटर पानी में 10-15 ग्राम कैल्शियम नाइट्रेट घोलकर मज्जन करायें। (यदि आवश्यकता हो)

◆ पुर्व रोपण के 5-7 दिन पहले पानी की मात्रा कम करके,पौधों को धूप देना जरुरी है।

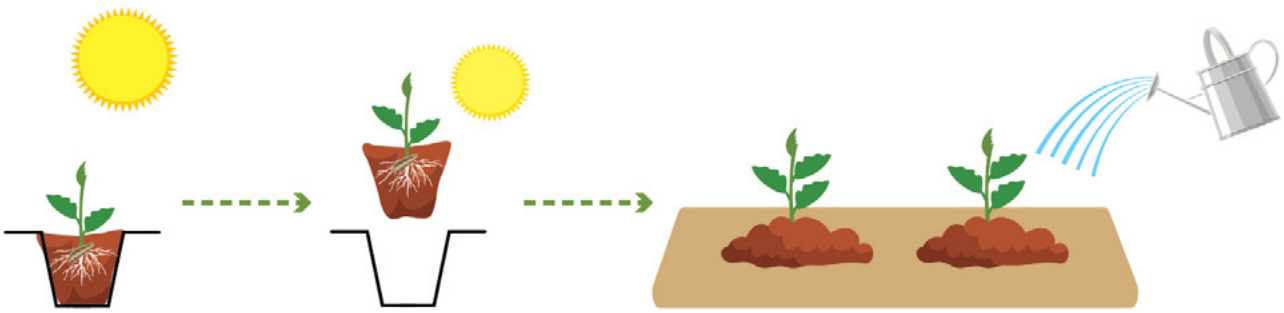

• खाद व्यवस्थापन

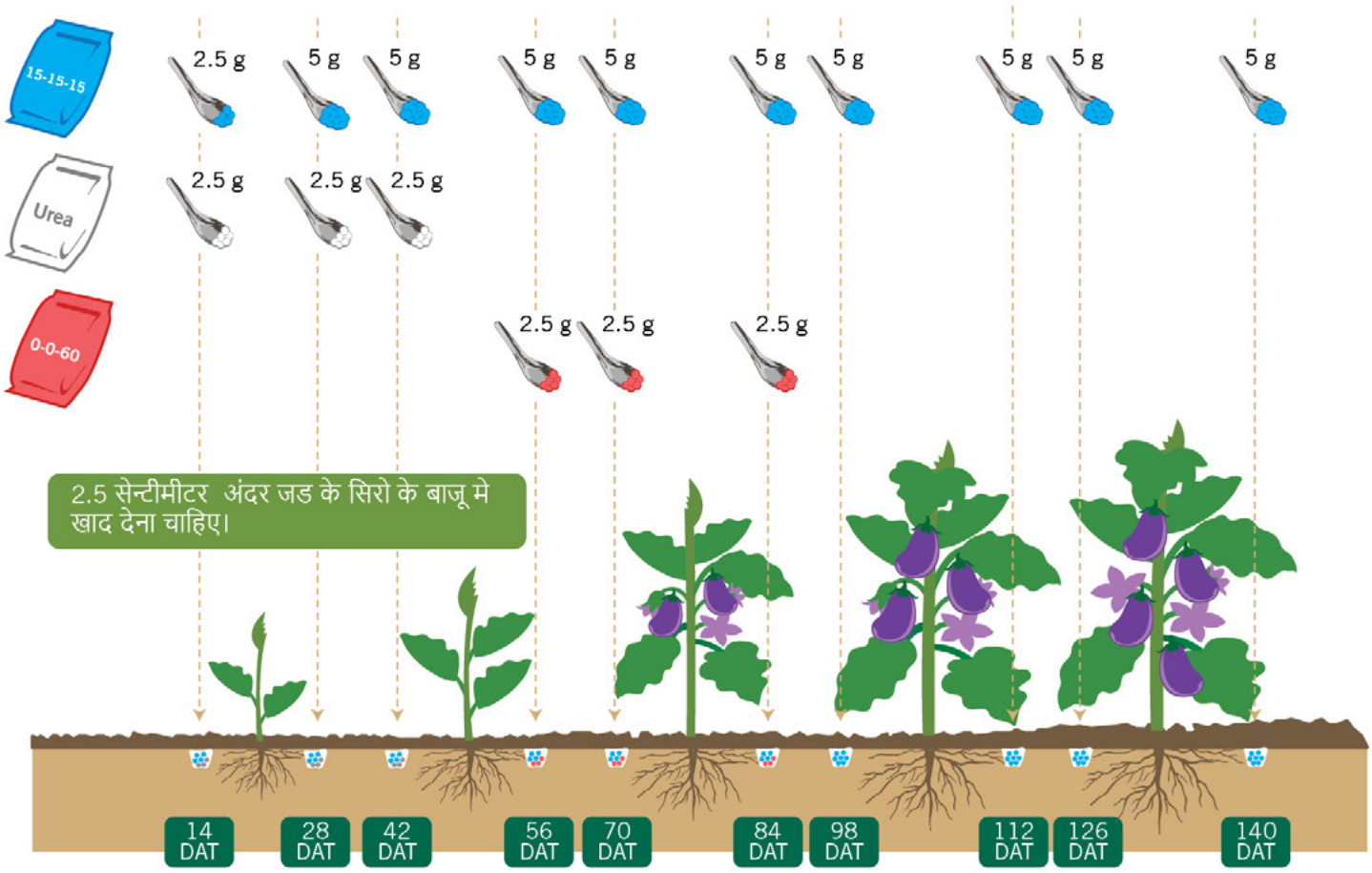

फसल में खाद की अनुशंसित मात्रा १७,७०० प्रति हेक्टेयर पौधों के लिये है।खाद का उपयोग मृदा स्थिति, मौसम एवं पौधे की बढ़वार के अनुसार समायोजित कर सकते हैं।

• एकीकृत कीट प्रबंधन

» स्टिकी ट्रेप का उपयोग कीटों की निगरानी व अधिक संख्या मे कीटों कोपकड़ने के लिए करे।
» फल मक्खी के लिए फिरोमोन ट्रेप, बैसिल अर्क ट्रेप का उपयोग करे।

रोगो के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिये संक्रमित पौधों , पुराने पौधे एवं खरपतवार नष्ट कर दे व हटा दें।

फसल चक्रण करने से कीट और रोग रूकते है और मिट्टी की उर्वरता भी बढती है।

• एकीकृत कीट प्रबंधन एवं रसायनों का सावधानीपुर्वक उपयोग।

» प्रतिरोधी क्षमता रोकने के लिये दुसरे कारवाई समूह रसायन उपयोग करे।
» हमेंशा कीटनाशक पर्चा पढे।

किटो के प्रकार

तैला

सफेद मक्खी

माहू

हरा पत्तिदार फुदका

लाल मकडी

भृंग

ईल्ली

फल एवं प्ररोह भेदक

मिलीबग

क्रियाशील घटक	कारवाई \की विधि	क्रिया	तैला	सफेद मक्खी	माहू	हरा पत्तिदार फुदका	लाल मकडी	भृंग	ईल्ली	फल एवं प्ररोह भेदक	मिलीबग
ल्याम्डा - सायलोथ्रीन	3A	SC	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
डायनोटेफुरान	4A	S	✓	✓	✓	✓					✓
स्पिनोसाड	5	S							✓	✓	✓
स्पाइनटारम	5	SC							✓	✓	✓
अब्याम्याक्टीन	6	SC (अल्प)	✓				✓	✓	✓	✓	
थायोसायक्लम ऑक्सिलेट	14	SC	✓	✓	✓	✓					
क्लोरानट्रानिलीप्रोल	28	S							✓	✓	
फ्लूबेंडीआमाईड	28	S							✓	✓	
बैसीलस थुरानजैन्सिस	11A	C							✓	✓	
अजाडीराक्टीन(नीम अर्क)	UN	अनजान	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

कारवाई की विधि **(MoA) ; SC** (पेट+ संपर्क); **S** (प्रणालीनुसार)

रोग के प्रकार

जीवाणु उखटा

दक्षिणी उखटा

फोमोप्सिस झुलसा

क्रियाशील घटक	कारवाई \की विधि	क्रिया	टिप्पणी	जीवाणु उखटा	दक्षिणी उखटा	फोमोप्सिस झुलसा
कॉपर आधारित फफूंदनाशी	M 01	P	जीवाणु रोग के लिए :सिर्फ आवश्यकता अनुसार उपयोग करे : संभावित प्रतिरोध से बचने के लिए अत्यधिक उपयोग न करे।	✓		✓
क्लोरोथालोनील	M 05	P		प्रतिरोधी किस्म अथवा रोगमुक्त पौधे का उपयोग करे।		✓
मैनकोजेब	M 03	P				✓
अझोक्सिस्ट्रोबीन	11	P+C	एक मौसम में 4 बार इस्तेमाल करें		✓	✓
बैसीलस सबटिलस	BM02	P		✓		
ट्राइकोडर्मा स्पीशीज़	BM02	P			✓	

कारवाई की विधि **MoA) FRAC; P = P=** प्रतिबंधित (जब तक लक्षण न दिखे तब तक प्रभावी।, **C=**रोगनिवारक

1
सुरक्षित इस्तेमाल करे

2
अच्छा मौसम

3
अच्छे नोझझेल

4
छिडकाव के बाद अच्छे से धोये ।

https://growhow.eastwestseed.com

इस फसल मार्गदर्शिका की पुष्टी ईस्ट-वेस्ट सीड फॉंडेशन की जानकारी श्रृंखला का भाग है,© 2021 कॉपीरीइट - ईस्ट - वेस्ट सीड फॉन्डेशन के पास सभी अधिकार सुरक्षित है। कृषि रसायनों की संस्तुति वागैनिन-गैन यूनिवर्सिटी एवं अनुसंधान के सहयोग से विकसित किया गया है।

WAGENINGEN UNIVERSITY & RESEARCH